This question paper contains 8 printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

5041

B.Com. (H)/II C

Paper XV—Hindi (B)

(आधुनिक भारतीय भाषा : हिंदी 'ख')

(प्रवेश-वर्ष 2004 और तत्पश्चात्)

समय : 2 घण्टे पूर्णांक : 50

(इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी :—इस प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक 'स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग' के बी. कॉम. (ऑनर्स) में प्रवेश-प्राप्त छात्रों के लिए मान्य हैं। नियमित विद्यार्थियों के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

"कहूँ मानवी यदि मैं तुमको,

तो वैसा संकोच कहाँ ?

कहूँ दानवी तो उसमें है,

यह लावण्य की लोच कहाँ ?

वनदेवी समझूँ तो वह तो,

होती है भोली-भाली,

तुम्ही बताओ कि तुम कौन हो,

हे रंजित रहस्यवाली ?" 5

अथवा

नहीं विघ्न-बाधाओं को हम,

स्वयं बुलाने जाते हैं,

फिर भी वे यदि आ जावें तो,

कभी नहीं घबराते हैं।

मेरे मत में तो विपदाएँ,

हैं प्राकृतिक परीक्षाएँ,

उनसे वही डरें कच्ची हों,

जिनकी शिक्षा-दीक्षाएँ।

2. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 5

सखे! सृष्टि एक व्यापार है, कार्य है। उसका कुछ-न-कुछ उद्देश्य अवश्य है। फिर ऐसी निराशा क्यों ? द्वन्द्व तो कल्पित है, भ्रम है। उसी का निवारण होना आवश्यक है। देखो, दिन का अप्रत्यक्ष होना ही रात्रि है, आलोक का अदर्शन ही अंधकार है। ये विपक्षी द्वन्द्व अभाव है। क्या तुम कह सकते हो कि अभाव की भी कोई सत्ता है ? कदापि नहीं।

अथवा

तब फिर प्रतिशोध कैसे संभव है ? माँ, मेरे हृदय में दारुण प्रतिहिंसा की ज्वाला धधक रही है। घमंडियों के वे वक्र विलोचन बरछी की तरह लग रहे हैं। माँ, मुझे अत्याचार का प्रतिशोध लेने दो। मैं पिता के पास जाऊँगा। मुझे आज्ञा दो। मैं मनसा के हाथों का विषाक्त अस्त्र बनूँ, उसकी भीषण कामना का पुरोहित बनूँ। क्रूरता का तांडव किए बिना मैं न जी सकूँगा। मैं आत्मघात कर लूँगा।

3. 'जनमेजय का नागयज्ञ' के आधार पर सरमा **अथवा** जनमेजय का चरित्र-चित्रण कीजिए। 7

अथवा

'जनमेजय का नागयज्ञ' के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

4. 'पंचवटी' के आधार पर लक्ष्मण की चरित्रगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 8

अथवा

'पंचवटी' खण्डकाव्य की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

5. 'कर्मभूमि' उपन्यास के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए :

(*i*) स्कूलों के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

'कर्मभूमि' की मूल समस्या क्या है ?

(*ii*) समरकांत और अमरकांत के बीच मतभेदों का आधार स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

'सकीना' के चरित्र की कोई **तीन** विशेषताएँ लिखिए।

6. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़ते हुए इसके अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

किसी भी प्रकार की संकीर्णता एक अच्छे व्यक्ति के योगदान का मूल्यांकन करने में बाधक होती है। डॉ. अम्बेडकर की दूरदृष्टि और बहुआयामिता को देखते हुए एक सर्वेक्षण के आधार पर देश के सर्वोत्तम व्यक्ति के रूप में उनको सबसे ज्यादा मत मिले हैं। दरअसल, अम्बेडकर जिस समाज की कल्पना करके तमाम तरह के सुधारों को लाना चाहते थे, उससे हिन्दू समाज के सभी वर्णों में समरसता विकसित कर

उसे अधिक मजबूत और प्रभावशाली बनाना चाहते थे ताकि ब्रिटिश समाज उनके महत्व को कम करके न आँके। उनका अधिकतर संघर्ष जातीय मुद्दों को लेकर रहा। स्त्रियों को लेकर 'हिन्दू कोड बिल' पास करवाने के पीछे भी उनकी हार्दिक इच्छा यही थी, महिलाओं को पारम्परिक बंधनों से मुक्ति मिले और जाति तथा लिंग के कारण पैदा हुई असमानता खत्म हो।

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद का उचित शीर्षक दीजिए।

(*ii*) 'हिन्दू कोड बिल' पास करवाने के पीछे डॉ. अम्बेडकर की क्या हार्दिक इच्छा थी ?

(*iii*) संकीर्ण दृष्टि से क्या अभिप्राय है ? क्या किसी महान व्यक्तित्व को जातिगत सीमाओं में बाँधकर देखना उचित है ? 1,2,2

7. (क) किन्हीं **चार** शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए : 2

श्रवन, पुन्य, प्रदर्षनी, अध्यापका, अध्यन, वयापार।

(ख) किन्हीं **दो** वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए : 3

(*i*) उसने ऊपर को देखकर कहा।

(*ii*) शब्द केवल संकेत मात्र होते हैं।

(*iii*) सौन्दर्य सबको मुग्ध कर लेती है।

(*iv*) शनिवार के दिन छुट्टी है।

8. (क) टेलीफोन लगवाने के लिए संचार हाट के प्रबन्धक को एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

राजधानी दिल्ली में स्त्रियाँ की बढ़ती हुई असुरक्षा को लेकर एक प्रतिवेदन का प्रारूप तैयार कीजिए।

(ख) किसी **एक** पर **150** शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 5

(*i*) भूमंडलीकरण का भारतीय शिक्षा पर प्रभाव

(*ii*) आधुनिक युग में विज्ञापन-कला का महत्व

(*iii*) पर्यावरण **बनाम** विकास।